दिनांक–02 सितम्बर 2013 को जिला पदाधिकारी, मुंगेर की अध्यक्षता में आयोजित जिला कृषि टास्क फोर्स बैठक की कार्यवाही।

उपस्थिति– उपस्थिति पंजी के अनुसार।

प्रस्ताव सं0–01

जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि वर्षापात की स्थिति में सुधार हुआ है। माह–अगस्त के अंतिम सप्ताह तथा एक एवं दो सितम्बर 2013 को अच्छी वर्षा होने के कारण धान का आच्छादन **30128** हैक्टेयर में हुआ है जो **91.29** प्रतिशत है। हवेली खड़गपुर में नहर सिंचाई की व्यवस्था होने के कारण धान का आच्छादन लगभग **सौ** प्रतिशत हो चुका है, परंतु असरगंज, प्रखंड में बडुआ नहर का पानी नहर के अंतिम छोड़ तक नहीं पहुँच पाने के कारण लगभग **85**प्रतिशत क्षेत्र में ही धान का आच्छादन हो पाया है। धरहरा प्रखंड बिल्कुल वर्षा आधारित है। सिंचाई का कोई अन्य श्रोत नहीं है तथा वर्षापात भी धरहरा प्रखंड में बहुत कम मात्र 138.6 मि0मी0 होने के कारण धान का आच्छादन यहाँ भी 85प्रतिशत है। धान के अतिरिक्त अन्य फसल यथा–मक्का, अरहर एवं अन्य दलहन फसल का आच्छादन शत्–प्रतिशत हो चुका है।

प्रस्ताव सं0–02

जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि सूखे की स्थिति को देखते हुए बिहार सरकार कृषि विभाग द्वारा **105.76लाख** रूपये की स्वीकृति **डीजल अनुदान** मद में प्राप्त हुई थी जिसके विरूद्ध मो0–**105.76लाख** रूपये का आवंटन प्राप्त हो चुका है तथा सभी प्रखंडों को राशि का उपावंटन कर दिया गया है। अब तक 11754 आवेदन पत्र डीजल अनुदान मद में सृजित किये जा चुके है। जिसमें मो0–**53.00**लाख रूपये व्यय होगा। किसान सलाहकार द्वारा पंचायत स्तर पर अनुश्रवण समिति की बैठक करने की कार्रवाई की जा रही हैं। अब तक मो0–**35.93**लाख रूपये व्यय हो चुका है।

जिला पदाधिकारी द्वारा डीजल अनुदान की राशि अविलम्ब वितरण कराने का निर्देश जिला कृषि पदाधिकारी को दिया गया।

प्रस्ताव सं0–03

मुंगेर जिला में **15085** हैक्टेयर में धान की रोपनी नहर के पानी से हुई है तथा नहर का पानी चल रहा है, एक सप्ताह में धान का आच्छादन और बढ़ेगा। नहर का पानी अभी असरगंज प्रखंड क्षेत्र तक नहीं पहुँच पाया है। जिला पदाधिकारी द्वारा कार्यपालक अभियंता सिंचाई प्रमंडल तारापुर को निर्देश दिया कि नहर की सफाई करा दें ताकि पानी अंतिम छोड़ तक पहुँचने में कोई कठिनाई ना हो। जिला पदाधिकारी द्वारा यह भी निर्देश दिया गया कि नहर के पानी से अधिक से अधिक धान का आच्छादन कराने हेतु हर संभव प्रयास सुनिश्चित करेंगे।

प्रस्ताव सं0–04

नलकूप–सह–लघु सिंचाई प्रमंडल मुंगेर द्वारा प्रतिवेदन दिया गया जो निम्न प्रकार हैः–

- ❖ पुराना नलकूपों की संख्या–6 है जिसमें 5 कार्यरत है।
- ❖ नवार्ड फेज–III के कुल 9 नलकूप है जिसमें 5 कार्यरत है।
- ❖ नवार्ड फेज–VIII के कुल 44 नलकूप है जिसमें 8 कार्यरत है।
- ❖ नवार्ड फेज–XI के कुल 8 नलकूप है जिसमें सभी ऊर्जान्वित बताये गये है।

कार्यपालक अभियंता द्वारा बताया गया कि गत सप्ताह में सिंचाई 60 हैक्टेयर में हो रहा था जो बढ़कर 210 हेक्टेयर तक पहुँच गया है।

लघु सिंचाई अन्तर्गत मध्यम सिंचाई योजनान्तर्गत विभिन्न स्थानों पर कुल 23 योजना है जिसकी सिंचाई क्षमता 775 हेक्टेयर है। वर्षा नहीं होने के कारण श्रोत में पानी नहीं है। जिसके कारण सिंचाई नहीं हो रहा है। सभी सिंचाई योजनाएँ बंद हैं।

प्रस्ताव सं0–05

कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ अभियंत्रण द्वारा बताया गया कि पीने के पानी का जलस्तर पूरे जिला में सामान्य स्थिति में हैं। जिला पदाधिकारी द्वारा निदेश दिया गया कि कहीं भी जलस्तर में कमी के कारण चापाकल बंद होता है तो उसे अविलम्ब ठीक करना सुनिश्चित करेंगे।

प्रस्ताव सं0–06

जिला पशुपालन पदाधिकारी एवं जिला मत्सय पदाधिकारी के बैठक में उपस्थित नहीं रहने के कारण इनकी समीक्षा नहीं की जा सकी।

जिला पदाधिकारी द्वारा सभी पदाधिकारियों को **टास्क फोर्स** की बैठक में अनिवार्य रूप से भाग लेने का निर्देश दिया गया।

अंत में, धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की कार्रवाई समाप्त की गई।

ह0/–
जिला पदाधिकारी,
मुंगेर।

ज्ञापांक–...../मुंगेर, दिनांक–
प्रतिलिपिः–सभी सम्बंधित पदाधिकारी मुंगेर जिला को सूचनार्थ एवं अनुपालनार्थ प्रेषित।

ह0/–
जिला पदाधिकारी,
मुंगेर।

ज्ञापांक–1175/मुंगेर, दिनांक– 3/9/13
प्रतिलिपिः–जिला जनसर्म्पक पदाधिकारी, मुंगेर एवं जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, मुंगेर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

3/9/13
जिला पदाधिकारी,
मुंगेर।